समाचार पत्र

द रुरल कनेक्ट

खंड 7 अंक 2 फरवरी 2021 www.mgncre.org

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

Mahatma Gandhi National Council of Rural Education

उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

Where there is Rural Wellbeing there is Universal Prosperity

'मनुष्य के रूप में, हमारी महानता दुनिया को पुनर्निर्मित करने में सक्षम नहीं है - जो कि परमाणु युग का मिथक है - जैसा कि खुद को पुनर्निर्मित करने में सक्षम है।' महात्मा गांधी

'प्रदर्शन, सुधार और परिवर्तन'

समाज को बदलने और वैश्विक शांति को विकसित करने के लिए युवाओं के जीवन को बदलने के लिए आवश्यक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सभी नई अनिवार्यताओं को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए- कई संवादों में माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 की कार्यान्वयन बैठकों पर बल दिया। मंत्री ने बताया कि सरकार जल्द ही आभासी विश्वविद्यालयों की स्थापना के लिए आवश्यक कदम उठाएगी, जो कि मुक्त विश्वविद्यालयों की अवधारणा से अलग है, उच्च शिक्षा में वांछित जी.ई.आर. प्राप्त करने में मदद करेगा जैसा कि एन.ई.पी. में परिकल्पित है। मंत्री ने उच्च शिक्षा में मातृ भाषाओं में अध्ययन प्रदान करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग करने का आह्वान किया।

"युवा भारत का भविष्य हैं। उनके पास जबरदस्त ऊर्जा, आकांक्षाएं, सपने और उन्हें पूरा करने की इच्छा शक्ति है। उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने, राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और जिम्मेदार नागरिक बनने की आवश्यकता है" माननीय शिक्षा मंत्री द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण कॉल के रूप में उन्होंने देश के 72 वें गणतंत्र दिवस पर मेधावी छात्रों को सम्मानित किया। 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर दूसरा राष्ट्रीय युवा संसद समारोह माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी (ऑनलाइन के माध्यम से) के रूप में महत्वपूर्ण था, उन्होंने युवाओं से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा प्रदान किए गए लचीलेपन और नवीन शिक्षण प्रारूप का लाभ उठाने का आग्रह किया।

स्वामी विवेकानंद को उनकी जयंती पर याद करते हुए, प्रधान मंत्री ने टिप्पणी की - ***"स्वामी विवेकानंद के संपर्क में आने वाले व्यक्तियों को संस्थाएँ बनाने के लिए प्रभावित किया गया और उन्होंने बदले में नए संस्था-निर्माता बनाए। इसने संस्था-निर्माण और इसके विपरीत व्यक्तिगत विकास का एक पुण्य चक्र शुरू किया।'*** केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री पोखरियाल ने स्वामी विवेकानंद के संदेश को याद करते हुए कहा कि युवा किसी भी देश की सबसे बड़ी ताकत होते हैं और उस देश का उसके युवाओं के प्रयासों से तैयार होता है।

राष्ट्रीय युवा दिवस
12 जनवरी -
स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने विशेष रूप से ऑनलाइन **विवेकसुभाषितम** कार्यक्रम का आयोजन कुलपति, डीन, प्रधानाध्यपक, निदेशक और उच्च शिक्षा संस्थानों के अध्यक्षों के लिए किया।
प्रो. अनिल सहस्रबुद्धे
अध्यक्ष, ए.आई.सी.टी.ई., मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विस्तार में, **"छात्रों में उद्यमिता"** पर बात की। **स्मार्ट शहर हैं - स्मार्ट गांव क्यों नहीं?**

प्रो. अनिल सहस्रबुद्धे ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. को ग्रामीण प्रबंधन और उसके बाद की पुस्तकों पर पाठ्यक्रम लाने के लिए बधाई दी। उन्होंने उच्च शिक्षा क्षेत्र को प्रभावित करने वाले कई सार्थक शैक्षणिक हस्तक्षेपों के लिए परिषद की सराहना की।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. 72 वें गणतंत्र दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाया है

"गणतंत्र दिवस हमें शिक्षा नीति कार्यान्वयन को पूरा करने का संवैधानिक जनादेश देता है। यह दिन हमें शैक्षिक क्षेत्र में हमारी जिम्मेदारियों पर जनादेश का पालन करने का अवसर देता है, जिसमें 3.5 करोड़ से अधिक लोग हैं - युवा और वृद्ध - और उन जिम्मेदारियों को कैसे पूरा करें और रचनात्मक परिवर्तन लाएं" **डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.** ने कहा। इस अवसर पर **मुख्य अतिथि श्री जी. लक्ष्मण जी, अखिल भारतीय विद्या परिषद (ए.बी.वी.पी.) के राष्ट्रीय संयुक्त संगठन** के **सचिव** ने कहा, "यह दिन हमारी प्रगति की दिशा की समीक्षा करने का अवसर है। आज एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने दुनिया को गांधीजी की शिक्षा का तरीका दिखाया है - नई तालीम। दुनिया भारत की ओर देख रही है क्योंकि हम महामारी से सफलतापूर्वक लड़ रहे हैं और टीके के साथ बाहर आ गए हैं। छात्रों को अपनी संस्कृति के साथ पहचान करने की आवश्यकता है। गांवों के साथ भागीदारी में अनुभव छात्रों को ग्रामीण क्षेत्रों के महत्व का एहसास कराते हैं। गाँधी जी के राम राज तभी आ सकते हैं जब गाँव विकसित हों और समुदाय मज़बूत हों। हमारे प्रधान मंत्री का आत्मनिभार भारत आर्थिक कायाकल्प द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।

विवेकसुभाषितम

किसान एक सामाजिक उद्यमी है

डॉ. सी. उमा महेश्वर राव भा.प्र.से. अध्यक्ष संस्कृति फाउंडेशन - स्वामी विवेकानंद और सुभाष चंद्र बोस आधुनिक भारत के निर्माता हैं। उनके आदर्श और विचार आज अधिक प्रासंगिक हैं। आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सामाजिक उद्यमिता और ग्रामीण भारत के कॉलेजों को जोड़ना महत्वपूर्ण है। किसान एक सामाजिक उद्यमी है। फसलों के असफल होने और कई अन्य कठिनाइयों के बावजूद किसान कभी हार नहीं मानता और बार-बार खेती में वापस चला जाता है।

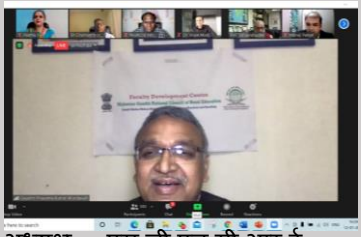

अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. - अनुभवात्मक शिक्षा महत्वपूर्ण है। छात्रों को ध्यान देना चाहिए। उन्हें असफल होने दो। कृपया असफलता के कलंक को दूर करें। **जल्दी असफल ... जल्दी शुरू करो।** एन.ई.पी. 2020 प्रयोग और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करता है। व्यावसायिक शिक्षा, स्वच्छता, सामाजिक उद्यमिता और ग्रामीण उद्यमिता में एम.जी.एन.सी.आर.ई. की गतिविधियों को एन.ई.पी. 2020 के साथ जोड़ दिया गया है।

श्री विवेक मोदी, वेलनेस एजुकेटर ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया और एक उद्यमी के गुणों के बारे में बताया।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के **विवेकसुभाषीम अभियान कार्यक्रम को लाइव स्ट्रीम किया गया।** Youtube लिंक - http://www.youtube.com/watch?v=GY9Eqej4Plw

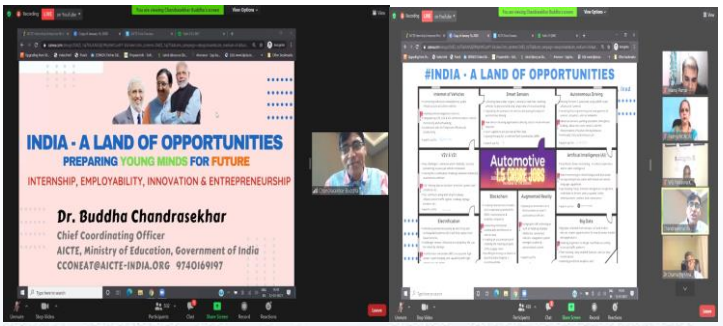

डॉ. बुद्ध चंद्रशेखर मुख्य समन्वयक अधिकारी ए.आई.सी.टी.ई. ने इंटर्नशिप, रोजगार, नवाचार और उद्यमिता पर बात की

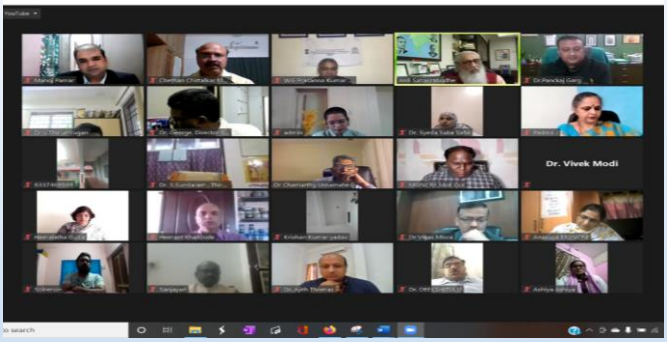

प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे ने ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने में एम.जी.एन.सी.आर.ई. की भूमिका को समाप्त किया और छात्रों को बुलाया। समाज के लिए योगदानकर्ता बनें। "नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति सही समय पर आई है और व्यावसायिक शिक्षा और छात्र उद्यमिता जैसी मुख्य विशेषताओं में एम.जी.एन.सी.आर.ई. के जनादेश के साथ सही तौर पाए गए हैं। स्मार्ट सिटीज़ हैं - स्मार्ट विलेज्स क्यों नहीं? ग्रामीण शिक्षा, ग्रामीण जागरूकता और ग्रामीण प्रबंधन में अकल्पनीय परिवर्तन और रोजगार के अवसर ला सकते हैं। एन.ई.पी. 2020 का कार्यान्वयन तेज गति से चल रहा है और इसके परिणाम बहुत जल्द देखने को मिलेंगे। जब अवसर होता है, तो रोजगार होता है, और यही खुशी की ओर ले जाता है। ताकी एक अवस्था हो जाए आनंद-परमानंद - सच्चिदानंद!"

संपादक की टिप्पणी

जैसा कि हम उत्साह के साथ हमारे देश का 72 वां गणतंत्र दिवस मनाते हैं, मुझे राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी को दोहराना चाहिए। यह आपके साथ साझा करने के लिए मुझे बहुत खुशी देता है कि हमने हमें दिए गए जनादेश का सम्मान करने के लिए अनजाने में प्रयास किया है और हम अपनी जिम्मेदारियों और शैक्षिक क्षेत्र में अवसरों के बारे में जानते हैं।

उच्चतर शिक्षा में हमारे हस्तक्षेपों ने शिक्षा की धारालाभांश दिया है और हम उद्यमशीलता की भावना से प्रेरित होकर अपने एजेंडे को बड़े उत्साह के साथ आगे बढ़ा रहे हैं।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर देश भर के शिक्षाविदों के अध्यक्षों, अध्यक्षयों और अध्यक्षों के साथ **विवेकसुभाषितम** अभियान शुरू किया, जिन्होंने व्यावसायिक शिक्षा- नई तालीम- अनुभवात्मक शिक्षण प्रकोष्ठों, सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण जुड़ाव प्रकोष्ठों, और ग्रामीण उद्यमिता विकास की पहल की है। उ.शि.सं. के छात्रों को एक्शन / बिज़नेस प्लान की योजना बनाने और प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और इस प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों को एक उद्यमी की तरह सोचने के लिए प्रभावित किया जाता है।

मैं **प्रो. अनिल सहस्रबुद्धे जी अध्यक्ष ए.आई.सी.टी.ई. का** बहुत आभारी हूँ कि उन्होंने ऑनलाइन कार्यक्रम पर कृपा की और हमारे आदर्शों के लिए विशेष प्रेरणा जोड़ी। उद्यमिता पर उनके विचार प्रेरणादायक थे। मैं **श्री बुद्ध चंद्रशेखर मुख्य समन्वयक अधिकारी ए.आई.सी.टी.ई., श्री सी. उमा महेश्वर राव भा.प्र.से., श्री विवेक मोदी** और संस्कृति फाउंडेशन के सदस्यों को भी धन्यवाद देता हूं जिन्होंने इस कार्यक्रम के लिए अमूल्य जानकारी दी।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने **श्री रणजीत सिंह डिस्ले ग्लोबल टीचर प्राइज अवार्ड 2020** संस्कृति फाउंडेशन के साथ **विवेकसुभाषितम** कार्यक्रम का भी आयोजन किया। उनकी "अंतर के साथ शिक्षा" अवधारणाओं को भड़काने वाला माना गया। जैसे-जैसे मानवता को कोविड 19 विपदाओं का सामना करना पड़ा और दुनिया एक ठहराव पर आ गई, हमारे संविधान में हमारा विश्वास और जनादेश पर फिर से विचार करने का अवसर, शैक्षिक क्षेत्र में हमारी ज़िम्मेदारियों पर और रचनात्मक परिवर्तनों को लाने के लिए हमें जा रहा है। गंभीर आपदा के बावजूद, हमने कई क्षेत्रों में अपनी गतिविधियों को आगे बढ़ाने में कामयाबी हासिल की है, हालांकि महामारी की आशंका है। हमें पटरी से उतार दिया। लेकिन हमने जल्दी से नई तकनीक - डिजिटल प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन कार्यक्रमों को अपनाया और सुनिश्चित किया कि हमारे काम में कोई विराम नहीं है।

डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार
अध्यक्ष,एम.जी.एन.सी.आर.ई.

मैं अपने देशवासियों को हमारे देश के 72वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई देता हूँ!

एम.जी.एन.सी.आर.ई. का काम 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' से जुड़ा हुआ है, जिसमें परंपरा के साथ-साथ तकनीक पर भी जोर दिया गया है। हम उच्च शिक्षा के हस्तक्षेप को बढ़ावा देने के माध्यम से ग्रामीण चिंताओं को संबोधित कर रहे हैं। पाठ्यक्रम विकास (पाठ्यक्रम / ऑनलाइन संसाधन) में ग्रामीण पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम (शिक्षक शिक्षा, सामाजिक कार्य, ग्रामीण उद्यमिता, ग्रामीण संचार, ग्रामीण अध्ययन, ग्रामीण पर्यटन, ग्रामीण प्रबंधन, ग्रामीण प्रबंधन और अन्य प्रासंगिक पाठ्यक्रम) का अपडेशन शामिल है; क्षमता निर्माण (राउंड टेबल / कार्यशालाएं / संकाय विकास कार्यक्रम); ग्रामीण पाठ्यक्रम पर कार्रवाई परियोजनाओं का संचालन, उच्च शिक्षा में ग्रामीण चिंताओं को बढ़ावा देना, ग्रामीण अनुसंधान के तरीके, ग्रामीण तल्लीनता, ग्रामीण प्रबंधन और यूनेस्को (यू.एन.ई.एस.सी.ओ.) चेयर गतिविधियों के भाग के रूप में नई तालीम, ग्रामीण तल्लीनता प्रशिक्षण कार्यक्रम; इंटर्नशिप, अनुसंधान कार्यक्रम और प्रकाशन।

कार्य होने के लिए, हमें अनुवर्ती कार्रवाई करने की आवश्यकता है। अपने आप में ज्ञान कार्रवाई करने के लिए नेतृत्व नहीं करता है। कार्रवाई के लिए एक विशेष अनन्य प्रयास की आवश्यकता है और हम अपनी योजनाओं के साथ आगे बढ़ने के लिए इसका अनुसरण कर रहे हैं।

डॉ. भरत पाठक
उपाध्यक्ष,एम.जी.एन.सी.आर.ई.

गतिविधियों की समीक्षा

सुविधाओं और विशेषज्ञता को साझा करके ग्रामीण प्रबंधन में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आपसी संबंधों की खोज, विस्तार और मजबूत करने के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए -

1. अलय्या विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
2. शारदा विश्वविद्यालय, नोएडा, उत्तर प्रदेश
3. वेल्स विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अग्रिम अध्ययन संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
4. जोशी बेडेकर कॉलेज, ठाणे, मुंबई, महाराष्ट्र

दुनिया मे वास्तविक बदलाव करने वाले शिक्षक हैं –

श्री रंजीतसिंह डिसले - ग्लोबल टीचर प्राइज अवार्ड 2020 - ऑनलाइन इंटरैक्शन में - विवेकसुभाषितम कार्यक्रम - एम.जी.एन.सी.आर.ई. और संस्कृति फाउंडेशन द्वारा आयोजित "एजुकेशन विद ए डिफरेंस"

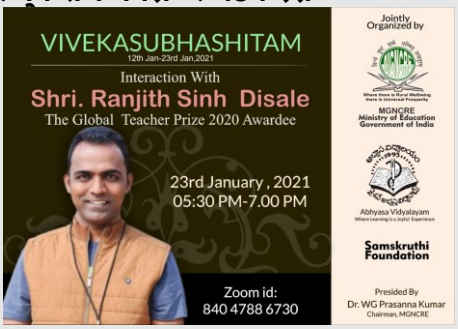

डिसले को उनके अभिनव शिक्षण कार्यों के लिए जाना जाता है, जिसमें उनके द्वारा निर्मित विज्ञान प्रयोगशाला के वैज्ञानिक प्रयोगों का प्रदर्शन और क्यूआर कोड्स को प्राथमिक श्रेणी की पुस्तकों में शामिल करना है ताकि उनके छात्रों को ऑडियो कविताओं, वीडियो व्याख्यान, असाइनमेंट और कहानियों के लिंक मिल सकें।

संस्थागत और क्लस्टर कार्यशालाएं

व्यावसायिक शिक्षा-नई तालीम-अनुभवात्मक आर.ई.डी. शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.)स्वच्छता सामाजिक उद्यमिता और ग्रामीण उत्कीर्णन सेल (एस.ई.एस.आर.ई.सी.)
ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.) / एफ.पी.सी. / एफ.पी.सी. / एफ.पी.सी. - व्यावसायिक स्कूलों कनेक्ट कोशिकाओं (एफ.बी.एस.सी.)

कुल कार्यशालाएं - संचयी स्थिति - जनवरी 2021

प्रयास को संस्थागत बनाने के लिए गठित सेल!

भारत में 25% से अधिक उच्च शिक्षा संस्थान कार्यान्वयन में!

संस्थागत कार्यशालाएं	कार्यशालाएं	कार्य योजनाएं	प्रतिभागी
व्यावसायिक शिक्षा	801	35875	39745
सामाजिक उद्यमिता	596	5459	28938
ग्रामीण प्रबंधन	778	8809	34917
कुल	**2175**	**50143**	**103600**
क्लस्टर कार्यशालाएं			
व्यावसायिक शिक्षा	280	3662	9096
सामाजिक उद्यमिता	80	2260	2737
ग्रामीण प्रबंधन	461	2751	7304
कुल	**821**	**8673**	**19137**

व्यावसायिक शिक्षा - नई तालीम - अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) कार्यशालाए

संस्थागत कार्यशालाओं व्यावसायिक शिक्षा नइ तालीम अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) छात्रों के लिए आयोजित की गई। जनवरी 2021 में 112 संस्थानों को आवरण करने वाले 5707 प्रतिभागियों के साथ 12 राज्यों में शिक्षा संस्थान। कार्यशाला के बाद, संस्थानों में एक वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना समिति होगी जो अपने संबंधित संस्थानों में वी.ई.एन.टी.ई.एल. गतिविधियों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करेगी। अब तक, छात्रों द्वारा 3901 वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना प्रस्तुत किए गए थे। अनुभवात्मक शिक्षा और सामुदायिक जुड़ाव एम.जी अध्यक्ष.एन.सी.आर.ई. का पर्याय बन गए हैं। यह नई शिक्षा नीति 2020 को पढ़ते हुए सभी अधिक विश्वसनीयता को मानता है। नई तालीम के बारे में चेतना के निर्माण में एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रयासों - गांधीजी की अनुभवात्मक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा के लिए आवश्यकता, शिक्षा प्रदान करते समय शाब्दिक महत्व, कौशल की आवश्यकता आधारित शिक्षा - ने आखिरकार एन.ई.पी. 2020 के रूप में दिन के उजाले को देखा है। परियोजना द्वारा निर्धारित मानदंडों को पूरा करती है। यूनेस्को चेयर अनुसंधान, प्रशिक्षण, सूचना और एक एकीकृत प्रणाली के माध्यम से उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए कार्यक्रमों प्रलेखन ग्रामीण समुदाय कार्य, कार्य शिक्षा और शिक्षक शिक्षा और स्कूली शिक्षा में अनुभवात्मक शिक्षा से संबंधित गतिविधियों का क्षेत्र।

व्यावसायिक शिक्षा नई तालीम अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) एक दिवसीय ऑनलाइन संस्थागत कार्यशालाएं - जनवरी 2021

क्र.स.	राज्य	कार्यशालाए	छात्र द्वारा वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजनाएं	प्रतिभागियां((छात्र शिक्षक)
1.	आंध्र प्रदेश	11	206	385
2.	दिल्ली	9	434	543
3.	बिहार	12	490	788
4.	हिमाचल प्रदेश	11	595	712
5.	जम्मू और कश्मीर	3	95	105
6.	राजस्थान	8	200	271
7.	केरल	10	503	617
8.	महाराष्ट्र	11	267	267
9.	पंजाब	4	188	262
10.	तेलगाना	16	513	892
11.	पश्चिम बगाल	7	148	352
12.	उत्तर प्रदेश	10	262	493
	कुल	**112**	**3901**	**5707**

व्यावसायिक शिक्षा नई तालीम अनुभवात्मक शिक्षा (वी.ई.एन.टी.ई.एल.) कार्यशालाओं की झलक

कार्षक कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कामारेड्डी तेलंगाना कार्य योजना 50 प्रतिभागी

सेंट मैरी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, सिकंदराबाद तेलंगाना, 51 वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना, 60 प्रतिभागी

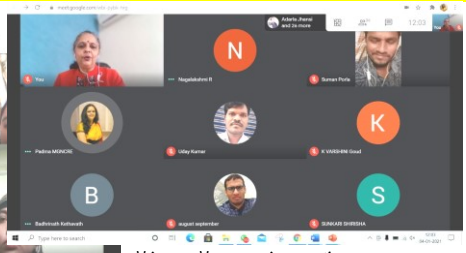

एस.आर.एम. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हैदराबाद, तेलंगाना, 24 वी.ई.एन.टी.ई.एल. स्टूडेंट कार्य योजना, 42 प्रतिभागी

एल.बी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन वारंगल तेलंगाना 18 कार्य योजना 43 प्रतिभागियों

ट्रिनिटी कॉलेजों ऑफ एजुकेशन पेद्दापल्ली और कसुलापल्ली तेलंगाना 36 छात्र कार्य योजना

गौरीशेट्टी वेंकटैया मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन (डी. एल. एड.)

करीमनगर तेलंगाना 08 कार्य योजना 17 प्रतिभागी

श्री वशिष्ठ डी. एल. एड. कॉलेज, करीमनगर तेलंगाना 03 कार्य योजना, 20 प्रतिभागी

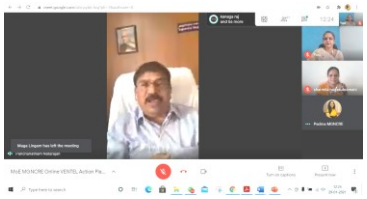

टी.एन.टी.ई.यू. संस्थागत वी.एन.टी.ई.एल. 29 जनवरी को कार्य योजना कार्यशाला। माननीय कुलपति प्रो. एन. पंचनाथम ने अध्यक्षीय संबोधन दिया, माननीय रजिस्ट्रार डॉ. वी. बालकृष्णन ने किया स्वागत छात्रों और शिक्षा के डीन फैकल्टी डॉ. एन गोविंदन ने स्वागत भाषण दिया। 32 वी.एन.टी.ई.एल. 56 प्रतिभागियों में से कार्य योजना बनाए गए।

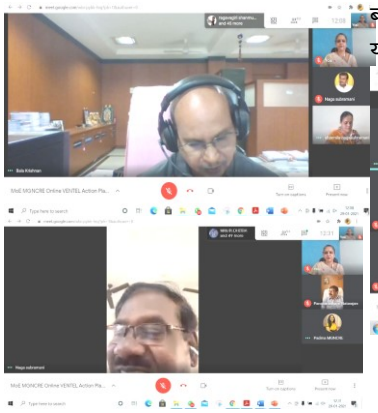

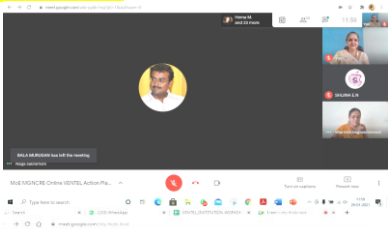

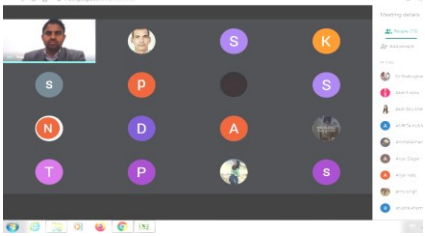

एफ.आई.टी.एम. दिल्ली 80 कार्य योजना

दो संस्थागत वी.ई.एन.टी.एल. कार्य योजना ऑनलाइन कार्यशालाओं का आयोजन पाशा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हैदराबाद, तेलंगाना और शादान कॉलेज ऑफ एजुकेशन हैदराबाद, तेलंगाना के छात्र शिक्षकों के साथ किया गया था। 132 छात्र वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्य योजना बनाए गए।

अग्रसेन मट्ठ कॉलेज अलवर राजस्थान 50 कार्य योजना

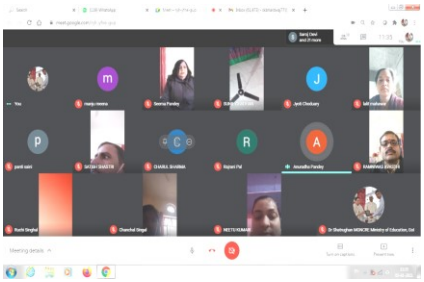

बालाजी शिक्षण संस्थान कोटा राजस्थान 45 कार्य योजना

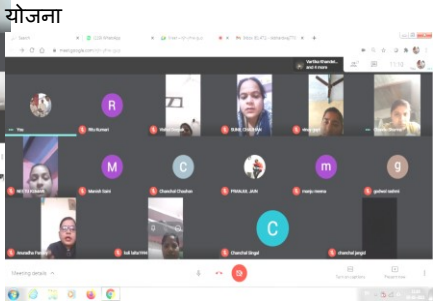

कश्मीर पैराडाइज कॉलेज ऑफ एजुकेशन 20 कार्य योजना

प्रतिभागियों का भाषण

"मैं संचार कौशल विकास के लिए 2019 से एक उद्यमी रहा हूं। इस अवसर और प्रेरणा के लिए धन्यवाद मैडम। आपने मुझे और अधिक करने के लिए प्रेरित किया है" – के. राधा वैष्णवी, बी. एड. छात्र बी.एड. कॉलेज चिलकुर तेलंगाना

"मैं पहले से ही एक उद्यमी हूं और मैं इस कार्यशाला से संबंधित हो सकती हूं। इस कार्यशाला ने मुझे और अधिक प्रेरणा दी। यह जीवन को बदलने वाला अनुभव है। मैं निश्चित रूप से इस गतिविधि को करूंगी और अपनी आंतरिक रचना का पता लगाऊंगी। धन्यवाद" - सिल्पा विश्वास से प्रतिपुष्टि, II 18 जनवरी 2021 को आयोजित संस्थागत वी.ई.एन.टी.ई.एल. छात्र कार्य योजना कार्यशाला में भाग लेने के बाद, बीटा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हुगली, पश्चिम बंगाल के सेम डी. एल. एड. छात्र

नवभारती कॉलेज ऑफ एजुकेशन - इस कार्यशाला से पहले हमें अपशिष्ट पदार्थों के उपयोग से खाद बनाने के बारे में कोई विचार नहीं है और हम बच्चों को पाठ्यक्रम में जोड़ने के लिए गतिविधियों को बनाने में कैसे शामिल कर सकते हैं। हमें पैसे कमाने का कुछ आइडिया आया। वी.ई.एन.टी.ई.एल. कार्यशाला हमारे लिए एक ताज़गी की तरह था और हमें ऐसी प्रथाओं के लिए एक नई शुरुआत करने की प्रेरणा मिली, जो हमें नाम, शोहरत और पैसा कमाने में मदद करती हैं।

शादन कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन - यह कार्यशाला दोनों तरीकों को पढ़ने / व्याख्या करने और बॉक्स से बाहर निकलने या सोचने में मदद करती है। सैद्धांतिक शिक्षण की तुलना में व्यावहारिक शिक्षा अधिक महत्वपूर्ण है। यह व्यावहारिक जानकारी के साथ एक बहुत जानकारीपूर्ण सत्र था।

हम व्यावसायिक प्रशिक्षण और अनुभवात्मक शिक्षण पर अद्भुत इंटरैक्टिव सत्र के लिए आभारी हैं, रचनात्मक विचारों और अभिनव रणनीतियों से बेहद अभिभूत हैं, जो हमें उद्यमशीलता की नींव रखने में मदद करते हैं। छात्र शिक्षकों के रूप में, हमें विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से सुसज्जित होना चाहिए और उन्हें अपने छात्रों में शामिल करना चाहिए। पाशा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हैदराबाद के एकता यादव।

हमने औद्योगिक समृद्धि के लिए अच्छी नींव रखी है, अब हम व्यावसायिक शिक्षा, व्यावसायिक मार्गदर्शन और बुद्धिमानी से प्रबंधित रोजगार विभागों के माध्यम से श्रमिकों की खुशी और वृद्धि को आश्वस्त करना चाहते हैं। औद्योगिक प्रयोग और राज्य कौशल के लिए एक महान क्षेत्र खुल रहा है। **थॉमस ए. एडिसन**

ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.)
एफ.पी.ओ. / एफ.पी.सी.- बिजनेस स्कूल कनेक्ट सेल (एफ.बी.एस.सी.)

ऑनलाइन संस्थागत कार्यशालाएं - संख्या में 184, ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठों (आर.ई.डी.सी.) पर उच्च शिक्षा संस्थानों के छात्रों के साथ 14 राज्यों में आयोजित किए गए। जनवरी 2021 में 4491 प्रतिभागी उन्हें अपने बिजनेस प्लान को लागू करने के लिए प्रेरित करने के लिए है। अब तक, छात्रों द्वारा कुल 8809 आर.ई.डी.सी. कार्य योजना प्रस्तुत की गई थी। ग्रामीण उद्यमिता विकास (आर.ई.डी.) गतिविधियों को एक संस्थागत पहचान प्रदान करने के लिए, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ग्रामीण उद्यमिता विकास सेल (आर.ई.डी.सी.) की स्थापना के लिए पूरे भारत में उच्च शैक्षणिक संस्थानों को प्रोत्साहित कर रहा है। आर.ई.डी.सी. की भूमिका ग्रामीण उद्यमों के साथ इंटर्नशिप और प्रशिक्षुता प्रदान करना है, ग्रामीण उद्यमिता शुरू करना, ग्रामीण निर्माताओं के साथ नेटवर्क तैयार करना, ग्रामीण तकनीकी हस्तक्षेप विकसित करना और दूल्हे छात्रों को उनके मन में उद्यमशीलता की भावना पैदा करके ग्रामीण उद्यमी बनाना है। सुविधाओं और विशेषज्ञता को साझा करके ग्रामीण प्रबंधन में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आपसी संबंधों की खोज, विस्तार और मजबूती के लिए - कई विश्वविद्यालयों / उ.शि.सं. के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। सितंबर में आयोजित होने वाले विश्वविद्यालय स्तरीय कार्यशालाओं के सिलसिले में आयोजित होने वाली कार्यशालाओं के दूसरे चरण के रूप में आर.ई.डी. सेल का गठन करने वाले संस्थानों के लिए संस्थागत स्तर आर.ई.डी.सी. कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। उद्देश्यों को सेल की कार्यक्षमता और राष्ट्रीय स्तर की व्यावसायिक प्रतियोगिता के लिए प्रबंधन छात्रों को तैयार करने के संदर्भ में परिभाषित किया गया था।

राउंड टेबल आयोजित किए गए - डॉ. जगत शाह, सी.ई.ओ. ग्लोबल नेटवर्क अहमदाबाद (8 जनवरी) के साथ अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. की उपस्थिति में गलगोटिया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी नोएडा (22 जनवरी) में, पी.एस.जी. इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (21 जनवरी) ग्रामीण उद्यमिता के लिए युवाओं को सक्रिय करना। 25 छात्रों और विचारों का आदान-प्रदान करने और 28 जनवरी को अनुभवात्मक शिक्षण को समझने के लिए 25 छात्रों और 7 संकाय सदस्यों के साथ येनकापल्ली गांव तेलंगाना के लिए एक गांव का दौरा किया गया।

हमें आपको यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि आपके प्रोत्साहन और मार्गदर्शन से हमने 25 आर.ई.डी.सी. छात्रों और 7 संकाय सदस्यों के साथ येनकापल्ली गाँव में एक समुदाय की यात्रा की व्यवस्था की है। समुदाय के पास आवासीय जरूरतों, जैविक खेती के उत्पादन और व्यवस्थित रूप से बनाए रखने वाले स्विमिंग पूल के लिए सौर ऊर्जा का समर्थन है। ये हमारे छात्रों को स्टार्टअप के लिए नवीन विचार देंगे। उम्मीद है कि हमारा प्रयास सफल होगा। - विद्या ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, हैदराबाद

ग्रामीण उद्यमिता विकास कोशिकाएं (आर.ई.डी.सी.)
एक दिवसीय ऑनलाइन संस्थागत कार्यशालाएं - जनवरी 2021

क्र.सं.	राज्य	कार्यशालाएं	व्यावसायिक योजनाएं / छात्रद्वारा कार्य योजनाएं	प्रतिभागियाँ (छात्र शिक्षक)
1	आंध्र प्रदेश	22	51	329
2	असम	1	2	10
3	तमिलनाडु	45	351	2622
4	कर्नाटक	23	111	891
5	गुजरात	15	639	184
6	हरियाणा	24	576	80
7	हिमाचल प्रदेश	03	61	18
8	जम्मू और कश्मीर	01	28	02
9	केरल	13	603	75
10	महाराष्ट्र	10	282	39
11	पुदुचेरी	01	18	2
12	पंजाब	05	790	54
13	उत्तर प्रदेश	16	330	51
14	पश्चिम बंगाल	05	171	134
	कुल	**184**	**4013**	**4491**

आर.ई.डी.सी. एक दिवसीय ऑनलाइन क्लस्टर कार्यशालाएँ - जनवरी 2021

क्र.सं.	राज्य	कार्याशालाएं	आर.ई.डी.सी. प्रकोष्ठ	प्रतिभागियाँ (प्राचार्य और संकाय)
1.	महाराष्ट्र	1	10	18

ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम
केस चर्चा पद्धति पर
विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रबंधन संकाय के लिए केस चर्चा पद्धति के उपकरण और तकनीकों पर ध्यान दें
4 - 8 जनवरी 2021

एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा विशेष रूप से विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और महाविद्यालयों के प्रबंधन संकाय के लिए 4 - 8 जनवरी से पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। "उद्यमिता, विपणन, रणनीतिक प्रबंधन और प्रबंध सामूहिक के लिए केस चर्चा" का विषय था।

केस चर्चा पद्धति समस्या समाधान में प्रशिक्षण के लिए एक आवश्यक अनुभवात्मक शिक्षा पद्धति है। प्रबंधन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मामला चर्चा पद्धति विशेष रूप से ग्रामीण विपणन यहाँ प्रस्तावित है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म, सामाजिक और अभिनव उद्यमों के माध्यम से विकास की व्यापक संभावना है। उच्च शिक्षा संस्थानों को लघु उद्योग और विपणन में योगदान करने की आवश्यकता है। बाजार लिंकेज के लिए आपूर्ति श्रृंखला और मूल्य श्रृंखला विकास के लिए सख्त आवश्यकता है और प्रौद्योगिकी विकास, माइक्रोफाइनेंस, आजीविका, कौशल विकास, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, कृषि प्रबंधन और बाजार लिंकेज और संरचनात्मक सहायता के क्षेत्रों में तकनीकी सहायता में दर्द बिंदुओं को संबोधित करना।

यह कार्यक्रम छात्रों को बुनियादी विश्लेषणात्मक, निर्णय लेने और व्यक्तिगत कौशल प्रदान करता है। केस चर्चा पद्धति एक निर्देशात्मक पद्धति है (सिद्धांत नहीं) जो उन स्थितियों के आधार पर निर्दिष्ट परिदृश्यों को संदर्भित करती है जिनमें छात्र अवलोकन, विश्लेषण, रिकॉर्ड, कार्यान्वयन, निष्कर्ष, सारांश या अनुशंसा करते हैं। केस स्टडीज का निर्माण और विश्लेषण और चर्चा के लिए एक उपकरण के रूप में किया जाता है।

प्रोफेसर संपत कुमार, विस्कॉन्सिन विश्वविद्यालय- ग्रीन बे और प्रोफेसर विवेक मदुपु, आई.आई.एम. वैजाग मुख्य अतिथि थे जिन्होंने कक्षा में केस चर्चा पद्धति के महत्व पर श्रोताओं को संबोधित किया। केस चर्चा पद्धति पर 9 समानांतर सत्र आयोजित किए गए थे। 64 संकाय सदस्यों का गठन 9 समूहों में किया गया था और प्रत्येक समूह का नेतृत्व एक संरक्षक द्वारा किया गया था। प्रतिभागी दिन 2 पर सूत्रधार थे। कक्षा में केस चर्चा को संभालने पर अनुभव प्रदान किया गया था।

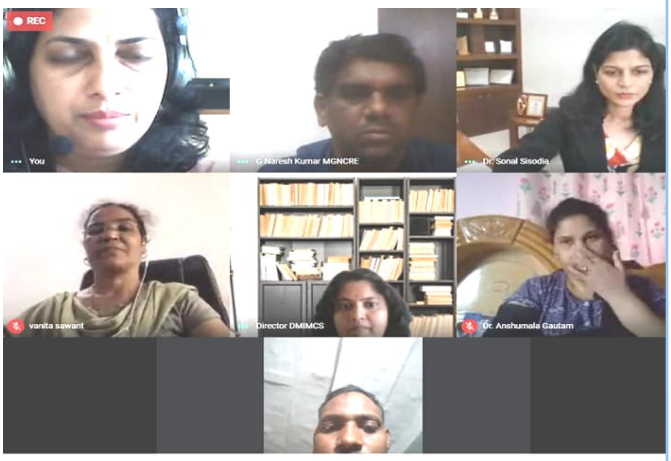

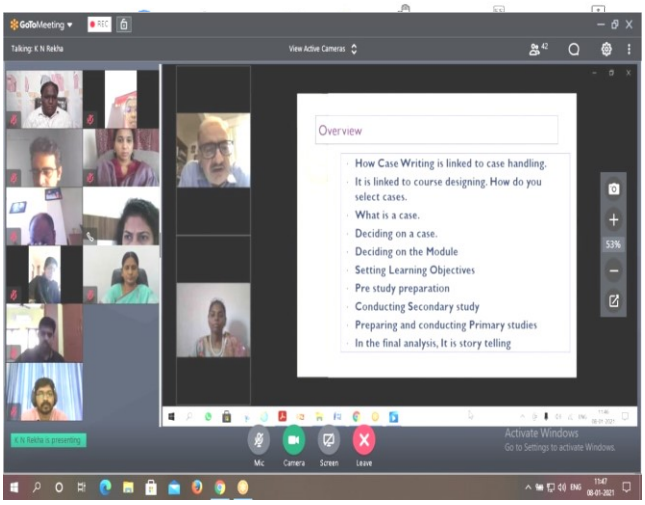

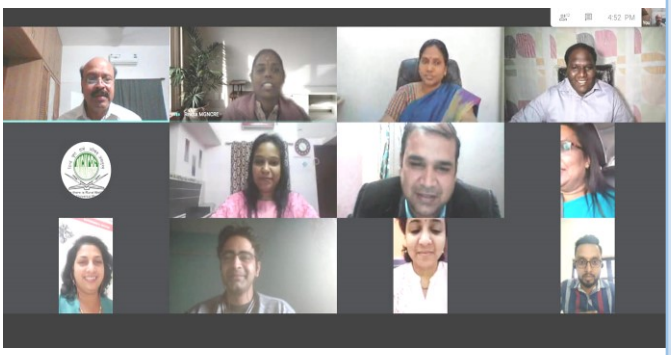

ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.)
एक दिवसीय ऑनलाइन संस्थागत कार्यशालाएं - जनवरी 2021 के झलक

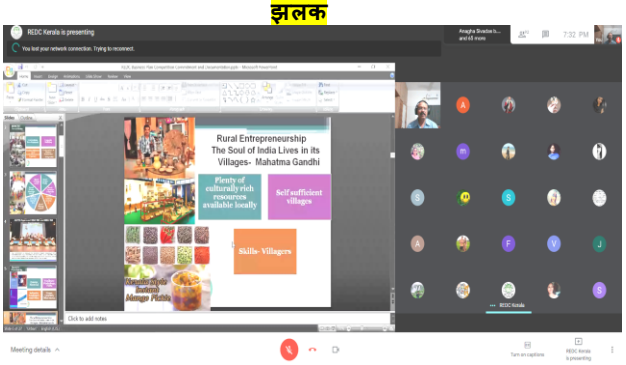

एफ.डी.पी. प्रभाव - केस चर्चा पद्धति का कार्यान्वयन

एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा आयोजित केस चर्चा पद्धति पर एफ.डी.पी. को जारी रखने के लिए, संकाय सदस्यों ने अपने संबंधित संस्थानों में केस चर्चा पद्धति को लागू करना शुरू कर दिया है।

बस कुछ का हवाला देते हैं .....

- डॉ. सोनल सिसोदिया, प्रधान अध्यापक, डेली कॉलेज ऑफ बिज़नेस मैनेजमेंट, डी.ए.वी.वी., इंडोर, प्रधान अध्यापक, ने 13 जनवरी, 2021 को बी.बी.ए. द्वितीय वर्ष के छात्रों को ग्रामीण विपणन और उपभोक्ता व्यवहार की अवधारणा को समझाने के लिए इंद्रादुश चित्रकला ग्रामीण भारत पर केसलेट चर्चा की। उन्होंने बी.बी.ए. द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए 15 जनवरी, 2021 को ग्रामीण आजीविका और ग्रामीण विकास हस्तक्षेप की अवधारणा को समझाने के लिए छत्तीसगढ़ में एक डेयरी सहकारी पर केसलेट चर्चा भी की।
- श्री राजेश कुमार, सहायक प्रोफेसर, गोबिंदगढ़ पब्लिक कॉलेज, अल्लूर (खन्ना) ने बी.बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए 17 जनवरी, 2021 को ग्रामीण योजना और उद्यमिता की अवधारणा को सुविधाजनक बनाने के लिए सभी बाधाओं के खिलाफ सफलता पर केसलेट चर्चा की और ख्याति के ग्रीनहाउस पर केसलेट चर्चा की। बी.बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए 17 जनवरी को ग्रामीण क्षेत्र में रणनीतिक प्रबंधन की अवधारणा और रणनीतिक योजना के महत्व को समझने के लिए एक बॉक्स में ग्रीनहाउस।
- डॉ. अनुपमा वर्मा, सहायक प्रोफेसर, व्यवसाय प्रबंधन और वाणिज्य संकाय, उषा मार्टिन विश्वविद्यालय, रांची ने बी.बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए 18 जनवरी को सशक्तिकरण और समूह व्यवहार की अवधारणा को सुविधाजनक बनाने के लिए एकता पर चर्चा की।
- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हरियाणा के सहायक प्रोफेसर, प्रोफेसर सुबोध अग्रवाल ने एम.बी.ए. अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए ग्रामीण क्षेत्र में रणनीतिक प्रबंधन और 19 जनवरी को ग्रामीण उद्यमिता में व्याख्या करने के लिए बॉक्स में खेती के ग्रीनहाउस पर केसलेट चर्चा की।
- जी.सी.आर.जी. मेमोरियल ट्रस्ट्स ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, लखनऊ के सहायक प्रोफेसर श्री पंकज कुमार ने बी.बी.ए. प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए 19 जनवरी को ग्रामीण उद्यमिता की अवधारणा को सुविधाजनक बनाने के लिए चित्रकला ग्रामीण भारत पर चर्चा की।
- डॉ. आबिद सुल्तान, सहायक प्रोफेसर स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स और हॉर्टि - बिजनेस मैनेजमेंट, ने प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए 19 जनवरी को मानव संसाधन अवधारणाओं को समझाने के लिए अद्वितीय स्क्वेप्स लिमिटेड में अनुपस्थिति पर काबू पाने पर केस / केसलेट चर्चा की।
- डॉ. सुमा मैथ्यू, एसोसिएट प्रोफेसर, सेंट जोसेफ बिजनेस स्कूल, पलाई केरल ने एम.बी.ए. द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए 20 जनवरी को प्रबंधन अवधारणाओं की व्याख्या करने के लिए "उद्यमिता - एकता शक्ति है" पर केसलेट चर्चा की।
- सुश्री एस. अनबू सेल्वी, सहायक प्रोफेसर, लेडी डॉक कॉलेज, मदुरै बी.बी.ए. द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए 20 जनवरी को बिजनेस इकोनॉमिक्स की अवधारणा समझाने के लिए "सामूहिक मलाईकोट्टाई धान एफ.पी.ओ." केसलेट चर्चा किया।
- डॉ. वनिता सावंत, सहायक प्रोफेसर, पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर सोलापुर यूनिवर्सिटी, महाराष्ट्र ने एम.बी.ए. फाइनल वर्ष के छात्रों के लिए 21 जनवरी को स्टार्ट-अप न्यू वेंचर मैनेजमेंट और रूरल एंटरप्रेन्योरशिप की अवधारणा को समझाने के लिए सभी बाधाओं के खिलाफ उद्यमिता सफलता पर केसलेट चर्चा की।
- डॉ. दीप्ति माई साहू, सहायक प्रोफेसर, संस्थानों के ट्राइडेंट समूह, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा 22 जनवरी को बी.बी.ए.- अंतिम वर्ष के छात्रों के साथ "दूध और एकता की शक्ति" पर केसलेट चर्चा की।
- सुश्री राधिका शर्मा, सहायक प्रोफेसर, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, नेशनल पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, लखनऊ ने बी.बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए 23 जनवरी को ग्रामीण रणनीतियों पर द रैट मिक्स और विपणन मिक्स की अवधारणा को समझाने के लिए केसलेट चर्चा की।
- सुश्री अंकिता जायसवाल, सहायक प्रोफेसर राष्ट्रीय पी.जी. कॉलेज, लखनऊ, बी.बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए विपणन रणनीति जनवरी 25 की व्याख्या करने का अधिकार मिक्स पर मामला / केसलेट चर्चा की।
- सुश्री दीपिका पांडे, सहायक प्रोफेसर, जी.सी.आर.जी. मेमोरियल ट्रस्ट्स ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, लखनऊ, ने बी.बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए 25 जनवरी को रूरल एंटरप्रेन्योरशिप और माइक्रो एंटरप्राइजेज की अवधारणा को सुविधाजनक बनाने के लिए फ्रेश हार्वेस्ट पर केसलेट चर्चा की।
- डॉ. अंशुमल अलकेश, दिनेश मोदी इंस्टीट्यूट फ़ॉर फ़ाइनेंशियल एंड मैनेजमेंट स्टडीज़, मुंबई विश्वविद्यालय ने सफलता के मामले में सभी बाधाओं के बारे में चर्चा की। महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण उद्यमिता पर 30 जनवरी, 2021 को बी.एम.एस. के द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्रों को समझाया। (प्रबंधन अध्ययन स्नातक)

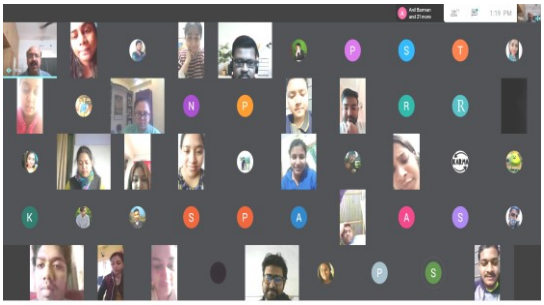
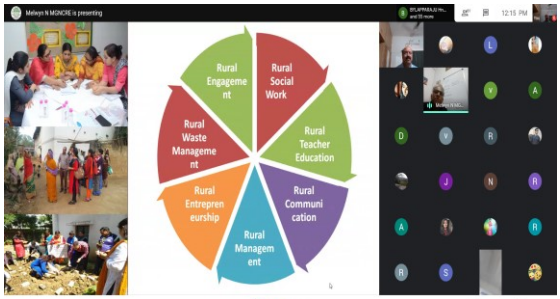

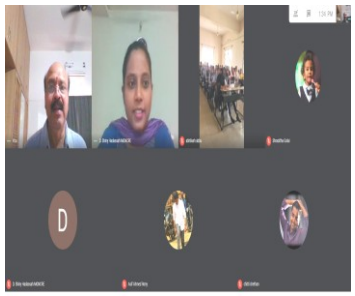

सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण जुड़ाव प्रकोष्ठ कार्य योजना सेल (एस.ई.एस.आर.ई.सी.)

कार्यशालाओं का आयोजन स्वच्छता और सामुदायिक सहभागिता की गतिविधियों का उपयोग करके सामाजिक उद्यम व्यापार योजना विकसित करने पर केंद्रित था। सामाजिक उद्यमशीलता कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सी.एस.आर.) की व्यापक अवधारणा से भी भिन्न है, जिसका उद्देश्य आर्थिक और सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करने में व्यवसायों की सहायता करना है। सामाजिक उद्यमिता शिक्षा रणनीतिक रूप से सामाजिक परिवर्तन लाने पर ध्यान केंद्रित करती है और यह परिवर्तन का एक सामूहिक और संगठित आंदोलन है जो सामाजिक चुनौतियों के लिए स्थायी समाधान विकसित और स्केल करने की दिशा में काम करता है। यह देखते हुए कि उच्च शिक्षा संस्थानों को समाज में ज्ञान का संरक्षक माना जाता है, निहितार्थ शिक्षा प्रणाली में सामाजिक उद्यमिता बढ़ाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इन मुख्य विचारों और अवधारणाओं को एक इंटरैक्टिव मोड में सीखा जाता है। सामाजिक उद्यमिता और नवीन सामाजिक परिवर्तन के विचार प्रतिभागियों से प्राप्त किए गए हैं। इसके अलावा, उ.शि.सं. और उनकी भूमिका का महत्व जिसमें सामाजिक उद्यमों, सेवाओं, और बुनियादी ढांचे (विशेष रूप से गांवों में) को मजबूत करने के लिए मानव संसाधनों के प्रावधान के माध्यम से उच्च - स्तरीय कौशल प्रशिक्षण को बढ़ाना शामिल है। यह बताना भारी है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण जुड़ाव संबंधी गतिविधियों पर एम.जी.एन.सी.आर.ई. की कार्यशालाओं ने लाभांश का भुगतान किया है और मंत्रालय द्वारा एच.ई.आई. की महत्वपूर्ण भूमिकाओं को बहुत सराहा गया है।

सामाजिक उद्यमिता, स्वच्छता और ग्रामीण जुड़ाव प्रकोष्ठ कार्य योजना सेल (एस.ई.एस.आर.ई.सी.) --- एक दिवसीय ऑनलाइन संस्थागत कार्यशालाएं - जनवरी 2021

क्र.सं.	राज्य	कार्यशालाएं	एस.ई.एस.आर.ई.सी. कार्य योजना छात्र द्वारा	प्रतिभागियां (छात्र / शिक्षक)
1	आंध्र प्रदेश	15	158	519
2	बिहार	1	11	35
3	चंडीगढ़	2	9	122
4	दिल्ली	2	21	69
5	गोवा	2	16	94
6	गुजरात	3	32	96
7	हरियाणा	11	116	598
8	हिमाचल प्रदेश	4	42	234
9	झारखंड	12	126	301
10	कर्नाटक	12	126	575
11	केरल	4	42	197
12	मध्य प्रदेश	30	315	1284
13	महाराष्ट्र	34	357	1980
14	ओडिशा	1	11	52
15	पंजाब	35	302	1427
16	राजस्थान	1	9	42
17	तमिलनाडु	28	294	2418
18	तेलंगाना	52	537	1655
19	उत्तर प्रदेश	12	126	498
20	उत्तराखंड	2	21	124
21	पश्चिम बंगाल	8	76	611
	कुल	**271**	**2745**	**12931**

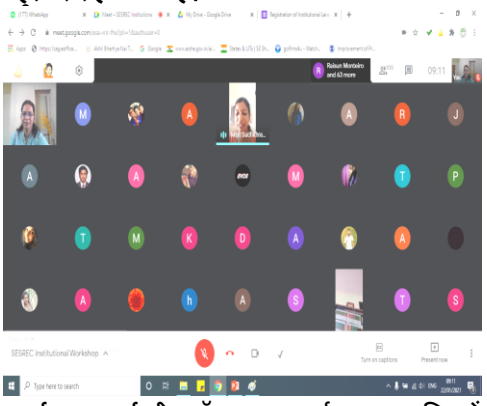

एस.ई.एस.आर.ई.सी. ऑनलाइन कार्यशाला प्रगति में निते उषा इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज, मैंगलोर

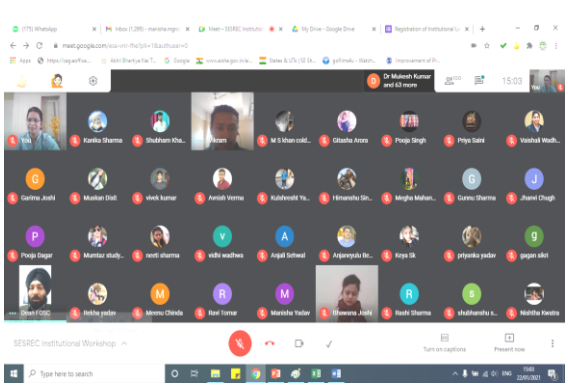
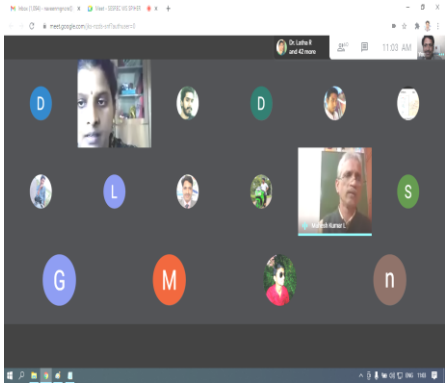
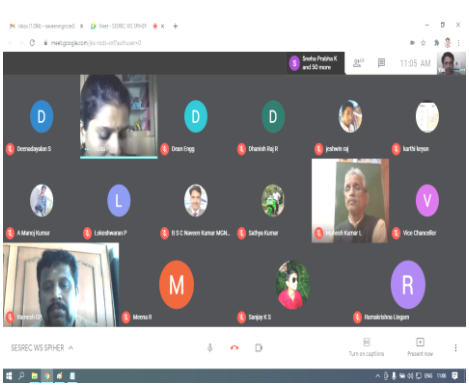

विज्ञान संकाय, एस.जी.टी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम

डॉ. एल. महेश कुमार रजिस्ट्रार सेंट पीटर इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च चेन्नई ऑनलाइन संबोधित करते हुए एस.एस.ई.आर.सी. कार्यशाला

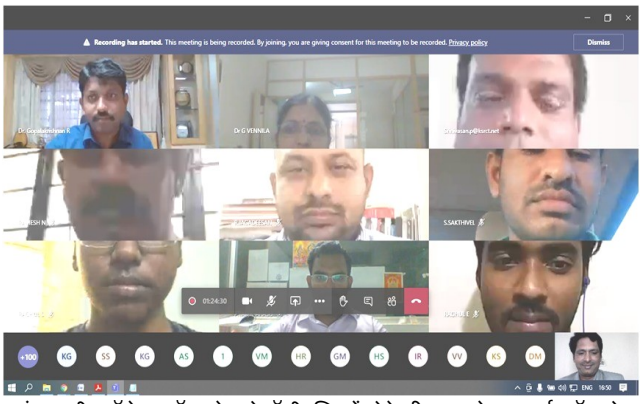

के.एस. रंगसामी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी तिरुचेंकोडे टी.एन. के प्राचार्य डॉ. गोपालकृष्णन प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए

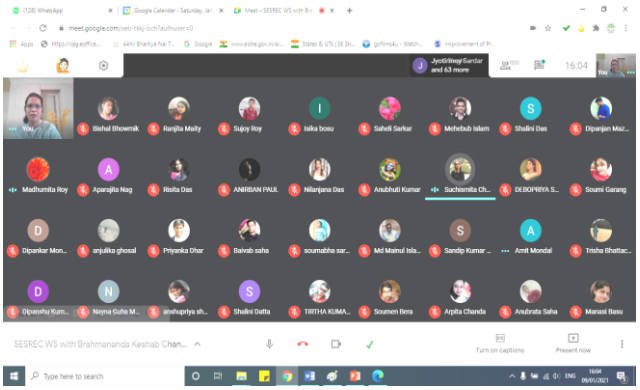

ब्रह्मानंद केशब चंद्र कॉलेज, वेस्ट बंगाल

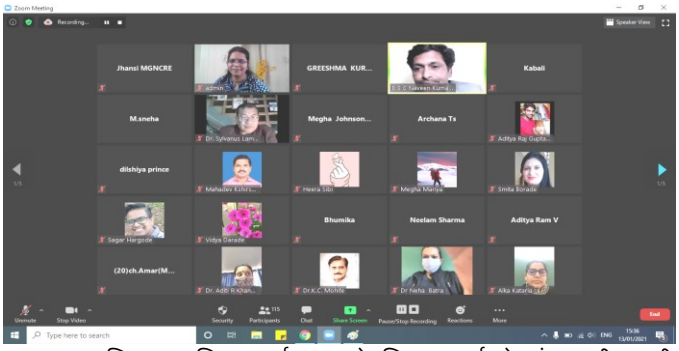
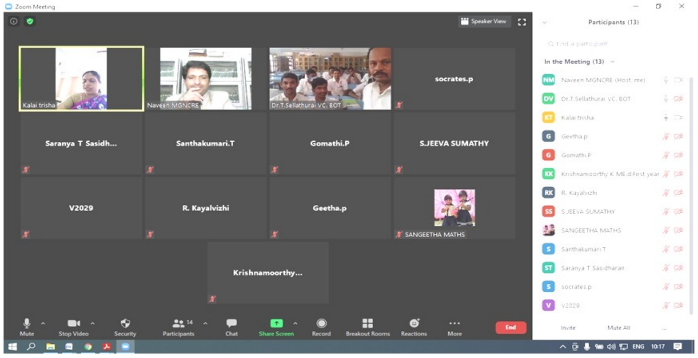

सामाजिक उद्यमिता कार्यान्वयन के लिए परामर्श सेवाएं एम.जी.एन.सी.आर.ई. - सामाजिक उद्यमिता / व्यवसाय पर छात्रों के लिए प्रगति के सत्र

"मुझे लगता है कि अभी सबसे रोमांचक रुझानों में से एक वैश्विक नागरिक का जन्म है जो न केवल अपने आस-पड़ोस को बेहतर बनाने में दिलचस्पी रखता है, बल्कि दुनिया भर में अपने पड़ोसियों की मदद कर रहा है।"

- कैथी केल्विन, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, *संयुक्त राष्ट्र फाउंडेशन*

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

(पुर्व में राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद)

उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

Where there is Rural Wellbeing there is Universal Prosperity

5-1-174, शक्कर भवन, फतेह मैदान रोड, बशीरबाघ, हैदराबाद, तेलंगाना – 500004

दूरभाष: 040-23212120, 23422105, फैक्स: 040-23212114, ई-मेल: admin@mgncre.in , वेबसाइट: www.mgncre.org

संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यू.जी.प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया.वी, संपादक
डॉ. टी. नागलक्ष्मी, सदस्य-सचिव, एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रकाशित